नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में ईरोम शर्मिला के संघर्ष को किया याद

वर्धा दि. 18 नवंबर 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास में ईरोम शर्मिला के संघर्ष को छात्रावास में गठित अध्ययन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में याद किया गया। 'ईरोम तुम्हें सलाम' के अंतर्गत कार्यक्रम में परिचर्चा, हस्ताक्षर तथा डाक्यूमेंट्री का

प्रदर्शन आदि गतिविधियां आयोजित की गयी। परिचर्चा में अनुवाद अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. देवराज ने विशेष वक्ता के रूप वक्तव्य दिये। इस अवसर पर अध्ययन समिति की संयोजक चित्रलेखा अंशु तथा भारती, आरती, सुनीता, मेघा, मधुप्रिया, अमित्रा तथा शिल्पा सहित अन्य छात्र-छात्राएँ भी शामिल थे। कार्यक्रम के केंद्र में ईरोम के पंद्रह वर्षों के विश्व के सबसे लंबे संघर्ष था।

प्रो. देवराज ने अपने व्याख्यान में ईरोम के जीवन संघर्ष तथा राज्य की चल रही राजनीति के विषय में बताया जिसका उद्देश्य शर्मिला जैसे लोगों द्वारा किए गए सत्याग्रह को अप्रासंगिक बनाना है।

सभी लोग शांतिपूर्ण सह अस्तित्व की बात में विश्वास करनेवाले लोग हैं, जिसे पंद्रह वर्ष की लंबी अवधी से ईरोम करती आ रही हैं, न्याय के लिए, मानव अधिकार के लिए, जनोचित नीतियों के लिए

और शांति के लिए। उन्होंने उन परिस्थितियों की चर्चा की जिसने ईरोम के अनशन में अपनी अहम

भूमिका निभाई थी जिसमें मानवाधिकारों के हनन की बात थी, मणिपुर के लोगों के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राजनीतिक धोखे की बात की गई थी। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि उनका यह प्रयास होना चाहिए कि ईरोम शर्मिला के इस कठिन व्रत के उद्देश्यों को पूरा करने में सभी लोग अपनी कोई न कोई भूमिका निभाएँ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे।

कार्यक्रम में ईरोम के संघर्ष को मोमबत्ती जलाकर नमन किया गया और इसे यहीं तक सीमित न कर आगे बढ़ाने की बात की गई। कार्यक्रम में ईरोम पर केंद्रित नुक्कड़ नाटक की डाक्यूमेंट्री दिखाई गई। कार्यक्रम में छात्रावास अधिक्षिका अवन्तिका शुक्ल ने धन्यवाद ज्ञापन कर मणिपुर के संघर्ष का जिक्र किया तथा अपने मणिपुरी साथियों को याद किया तथा एक मणिपुरी गीत गाया। इस उपलक्ष्य में गांधी हिल में एक परिचर्चा रखी गई तथा को ईरोम से संबंधित डाक्यूमेंट्री तथा जनगीत आदि को दिखाकर ईरोम के अनशन को सोलीडेरिटी दिया गया।